Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Under Graduate Semester wise Syllabus
as recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये सेमेस्टर अनुसार पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशासित तथा म. प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित

Class / कक्षा	: B.A. First Year
Semester / सेमेस्टर	: First
Subject / विषय	: Ancient Indian History Culture & Archaeology प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व
Title of Paper	: Political History of India (Harappan Culture to 319AD)
प्रश्नपत्र का शीर्षक	: भारत का राजनैतिक इतिहास (हड़प्पा संस्कृति से 319ई.)
Paper No. / प्रश्नपत्र कमांक	: Paper-1/ प्रश्नपत्र प्रथम
Compulsory / अनिवार्य या Optional / वैकल्पिक	: Compulsary/ अनिवार्य
Max. Marks अधिकतम अंक	: 85

Particulars / विवरण

Unit-1	Definition and Scope of History, Sources of Ancient Indian History, Harappa and Chalcolithic Culture, Vedic Age–its date and the new model regarding its indigenous origin and development.
इकाई – 1	इतिहास की परिभाषा एवं क्षेत्र, प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत, हड़प्पा एवं ताम्राश्मकालीन संस्कृतियाँ, वैदिक युग–उसकी तिथि, उसके स्थानीय उद्भव एवं विकास का नया प्रतिमान।
Unit-2	Mahajanapada Age, Rise of Magadha Empire, Invasion of Alexandar and its effects and Nanda Dynasty
इकाई – 2	महाजनपद युग, मगध साम्राज्य का उत्कर्ष, सिकन्दर का आक्रमण और उसके प्रभाव और नन्दवंश।
Unit-3	Mauryas and their administration, Indo-greeks, Shungas and Satvahanas
इकाई – 3	मौर्य तथा उनका प्रशासन, हिन्द–यूनानी, शुंग और सातवाहन
Unit-4	Shakas–Specially Nahpana and Rudradaman, Parthians, Kharvela of Kalinga, Outline of the Sangam Age.
इकाई – 4	शक–विशेषतः नहपान तथा रूद्रदामन, पार्थियन, कलिंग का खारवेल, संगम युग की रूपरेखा
Unit-5	Political Powers in Indian in 1st Cen. BC, Malwas, Vikram Era and Vikramaditya, Kushanas specially Kanishka, Political condition of North India before the rise of Guptas
इकाई – 5	प्रथम शताब्दी ई.पू. में भारत में राजनैतिक शक्तियाँ, मालव, विक्रम संवत् तथा विक्रमादित्य, कुषाण विशेषतः कनिष्क, गुप्तों के उदय से पूर्व उत्तर भारत की राजनैतिक परिस्थिति
Note नोट	

Suggested Readings :

1- R.K. Mookerji - Ancient India
2- Majumdar, Raichowdhry & Dutta - An Advanced History of India.
3- R.C. Majumdar (Ed) - The Vedic Age, Age of Imperial Unity, The classical Age.
4- H.C. Raichowdhary - Political History of Ancient India.
5- डॉ. सुस्मिता पांडे, डॉ. विवेक दत्त डॉ. ओमप्रकाश - राजनीतिक इतिहास एवं संस्थाएँ
6- एच. सी. रायचौधरी - भारत का राजनीतिक इतिहास
7- भगवानसिंह वर्मा एवं एस. के सुलेरे - प्राचीन भारत का इतिहास

Department of Higher Education, Govt. Of M.P,
Under Graduate Semester wise Syllabus
As recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये सेमेस्टर अनुसार पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म.प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
Session 2014-2015

Class / कक्षा	BA First Year
Semester / सेमेस्टर	Second
Subject / विषय	Ancient Indian History Culture & Archaeology
Title of Paper प्रश्न पत्र का शीर्षक	Ancient Indian Social and Economic Institutions
Compulsory / अनिवार्य या Optional / वैकल्पिक	Compulsory / अनिवार्य
Max. Marks अधिकतम अंक	85

Particulars / विषय

Unit-1	Varna and Caste, Slavery, Ashram System, Purusharthas
इकाई 1	वर्ण तथा जाति, दासप्रथा, आश्रम व्यवस्था, पुरूषार्थ ।
Unit-2	Sanskaras, their meaning and importance,specially Upananyan and Marriage, Family and Position of women
इकाई 2	संस्कार अर्थ तथा महत्व, विशेषतः उपनयन एवं विवाह, परिवार एवं स्त्रियों की परिस्थिति
Unit-3	Aims and Ideals of Ancient Indian Education, Vedic and post Vedic Education system and Institutions, Buddhist Education system and Institutions
इकाई –3	प्राचीन भारतीय शिक्षा के उद्देश्य एवं आदर्श, वैदिक एवं वैदिकोत्तर शिक्षा पद्धति तथा संस्थाएं, बौद्ध शिक्षा पद्धति तथ संस्थाएं
Unit-4	Agriculture and land system, Types of Villages, Types of Land, Produce, Land Revenue, Science of Agriculture, Ownership of Land and Land Grants
इकाई– 4	कृषि तथा भूमि व्यवस्था, ग्रामों के प्रकार, भूमि के प्रकार, उपज, भूमि पर कर, कृषि विज्ञान, भूमि स्वामित्व, भूमिदान प्रथा
Unit-5	Currency, Banking, Guilds and Trade
इकाई 5	मुद्रा, बैंक व्यवस्था, श्रेणी और व्यापार
Note नोट	

Suggested Readings :

1- R.C. Majumdar (Ed) - History & Culture of the Indian People (Voll-V)
2- G.C. Pande - Dimensions of Social History, Motilal Banarasidas
2- U.N. Ghoshal - Agrarian System in Ancient India
3- R.K. Mookerji - Ancient Indian Education
4- A.S. Allekar - Positions of women in Hindu Civilization
5- Kane P.V. - History of the Dharmashastra
6- Omprakash - Economy & Food in Ancient India (Vol-2)
7- सुस्मिता पांडे - समाज, आर्थिक व्यवस्था एवं धर्म हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल
8- के. सी. जैन - प्राचीन भारतीय सामाजिक एवं आर्थिक संस्थाएँ
9- काणे पी.वी. - धर्मशास्त्र का इतिहास (विशेषतः जिल्द II)
10- रामकुमार अहिरवार - सामाजिक संरचना : विविध चरण (दो भाग)
11. ए.एस अल्तेकर – प्राचीन भारतीय शिक्षण पद्धति
12. रमानाथ मिश्र – प्राचीन भारतीय समाज व्यवस्था एवं धर्म, हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल
13. आर. सी. मजुमदार – प्राचीन भारत में संगठित जीवन
14. के. सी. जैन – प्राचीन भारतीय सामाजिक एवं आर्थिक संस्थाए एवं धर्म हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल

30/6/15
30/06/15

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Under Graduate Semester wise Syllabus
as recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये सेमेस्टर अनुसार पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म. प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
w.e.f. - 2015 - 16

Class / कक्षा	: B.A. Second Year बी.ए. द्वितीय वर्ष
Semester / सेमेस्टर	: Third/तृतीय
Subject / विषय	: Ancient Indian History Culture & Archaeology प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व
Title of Paper	: Political History of Ancient India–319AD–1200AD
प्रश्नपत्र का शीर्षक	: प्राचीन भारत का राजनैतिक इतिहास–319 ई.से1200ई.
Paper No. / प्रश्नपत्र क्रमांक	: Paper-3/ प्रश्नपत्र तृतीय
Compulsory / अनिवार्य या Optional / वैकल्पिक	: Compulsary/ अनिवार्य
Max. Marks अधिकतम अंक	: 85

Particulars / विवरण

Unit-1	Gupta Dynasty and its administration, Vakataka Dynasty
इकाई – 1	गुप्त वंश और उसका प्रशासन, वाकाटक वंश
Unit-2	Later Guptas, Maukharies, Pushyabhuti Dynasty(Vardhanas), Administration of Harsha,
इकाई – 2	परवर्ती गुप्त, मौखरी, पुष्यभूति वंश (वर्धन), हर्ष का प्रशासन
Unit-3	Chalukyas of Badami, Pallavas of Kanchi, Cholas and their administration,
इकाई – 3	बादामी के चालुक्य, कांची के पल्लव, चोल तथा उनका प्रशासन
Unit-4	Origin of Rajputas, Pratihar Dynasty, Rashtrakuta Dynasty, Pala Dynasty
इकाई – 4	राजपूतों का उदय, प्रतिहार वंश, राष्ट्रकूट वंश, पाल वंश
Unit-5	Chandele Dynasty, Parmara Dynasty, Kalachuris of Tripuri, Chauhans of Shakambhari, Gahadwal Dynasty
इकाई – 5	चंदेल वंश, परमार वंश, त्रिपुरी के कलचुरी, शाकम्भरी के चौहान, गहदवाल वंश
Note नोट	

Suggested Readings :

1-	Majumdar, Raichowdhry & Dutta	-	An Advanced History of India.
2-	H.C. Raichowdhary	-	Political History of Ancient India.
3-	R.C. Majumdar (Ed)	-	The Age of Imperial Kannauj
4-	R.C. Majumdar	-	Struggle for Empire
5-	डॉ. सुस्मिता पाडे, डॉ. विवके दत्त डॉ. ओमप्रकाश	-	रातनीतिक इतिहास एवं संस्थाएँ
6-	मजुमदार, रायचौधरी	-	भारत का बृहत इतिहास
7-	नोलकंड शास्त्री	-	दक्षिण भारत का इतिहास
8-	विमलचंद पांडेय (खण्ड–2)	-	प्राचीन भारत का राजनीतिक एवं सास्कृतिक इतिहास
9-	विशुद्धानंद पाठक	-	उत्तर भारत का राजनीतिक इतिहास

20/06/15

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Under Graduate Semester wise Syllabus
as recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये सेमेस्टर अनुसार पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म. प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
w.e.f. - 2015-16

Class / कक्षा	: B.A. SecondYear बी.ए. द्वितीय वर्ष
Semester / सेमेस्टर	: Four/चतुर्थ
Subject / विषय	: Ancient Indian History Culture & Archaeology प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व
Title of Paper	: Ancient India Art and Architecture
प्रश्नपत्र का शीर्षक	: प्राचीन भारतीय कला एवं स्थापत्य
Paper No. / प्रश्नपत्र कमांक	: Paper-4/ प्रश्नपत्र चतुर्थ
Compulsory / अनिवार्य या Optional / वैकल्पिक	: Compulsary/ अनिवार्य
Max. Marks अधिकतम अंक	: 85

Particulars / विवरण

Unit-1	Art and Architecture of Harappan and Mauryan Period, Stupa Art and Architecture of Sanchi and Bharhuta
इकाई – 1	हड़प्पा एवं मौर्यकालीन कला एवं स्थापत्य, सांची तथा भरहूत की स्तूप कला एवं स्थापत्य
Unit-2	Chaitya grihas and Viharas of Western India–Bhaja, Karle, Ajanta and Ellora, Art of the Kushana Period–Gandhar and Mathura
इकाई – 2	पश्चिमी भारत के चैत्यगृह एवं विहार–भाजा, कार्ले, अजन्ता एवं एलोरा, कुषाणकालीन कला–गंधार एवं मथुरा
Unit-3	Salient features of the Gupta sculptures and its main examples, Evolution of Temple and Gupta Temples
इकाई – 3	गुप्त मूर्तिकला के प्रमुख लक्षण तथा प्रमुख उदाहरण, मन्दिरों का उदभव तथा गुप्तकालीन मंदिर
Unit-4	Sailent features of Temple Architectural styles–Nagar, Dravid and Vesara, Temples of North India, Orrisa and Khajuraho, Temples of South India–Pallava and Chola
इकाई – 4	नागर, द्रविड़ तथा वेसर मंदिर स्थापत्य शैलियों के प्रमुख लक्षण, उत्तर भारत के मंदिर–उड़ीसा एवं खजुराहो, दक्षिण भारत के मंदिर–पल्लव तथा चोल
Unit-5	Prehistoric Paintings–Bhimbetka, Ideals of Indian Paintings, Paintings of Ajanta and Bagh.
इकाई – 5	प्रागैतिहासिक चित्रकला–भीमबेटका, भारतीय चित्रकला के आदर्श, अजन्ता तथा बाघ की चित्रकला
Note नोट	

Suggested Readings :

1 नीलकंठ पुरुषोत्तम जोशी : मथुरा की मूर्तिकला
2. वासुदेव शरण अग्रवाल : भारतीय कला
3 रमा नाथ मिश्र : भारतीय मूर्तिकला
4. एम डी खरे : बाग
5. एम डी खरे : विदिशा
6 वाचस्पती गैरोला : भारतीय चित्रकला
4. B. Rowland : Art & Architecture of India
5. Percy Brown : Indian Architecture
6. Susmita Pande (ed) : Ancient Indian Art & Architecture (Study Material for MP BOU)
7. K.D. Bajpai : Five Phases of Indian Art.
8 Rahman Ali : Pratihar Art in India.
9. Rahman Ali : Art of the Dasarna desa.
10. Stella Kramrish : Indian Sculpture.
11. Stella Kramrish : Hindu Temples

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Under Graduate Semester wise Syllabus
as recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये सेमेस्टर अनुसार पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म. प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
w.e.f.- 2016-17

Class / कक्षा	: B.A. Third Year बी.ए. तृतीय वर्ष
Semester / सेमेस्टर	: Fifth/पंचम
Subject / विषय	: Ancient Indian History Culture & Archaeology प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व
Title of Paper	: Elements of Epigraphy and Numismatics
प्रश्नपत्र का शीर्षक	: पुराभिलेख एवं मुद्राशास्त्र के मूल तत्व
Paper No. / प्रश्नपत्र क्रमांक	: Paper-5/ प्रश्नपत्र पंचम्
Max. Marks अधिकतम अंक	: 85

Particulars / विवरण

Unit-1	Importance of Inscriptions in the reconstruction of Ancient Indian History, Origin and Development of Art of Writing, Material scripts and languages used in the inscriptions.
इकाई – 1	प्राचीन भारतीय इतिहास की पुनर्रचना में अभिलेखों का महत्व, लेखनकला का उद्भव एवं विकास, अभिलेखों में प्रयुक्त लिपियाँ तथा सामग्री
Unit-2	Historical importance of the following inscriptions–Second and Twelfths rock-edicts of Ashoka, Besanagar Pillar Inscriptions of Heliodorus. Junagarh Inscription of Rudradamana, Prayag Prashstri of Samudragupta.
इकाई – 2	निम्नलिखित अभिलेखों का ऐतिहासिक महत्व–अशोक के द्वितीय तथा 12वें शिलालेख, हीलियोडोरस का बेसनगर स्तम्भलेख, रूद्रदामन का जूनागढ़ अभिलेख, समुद्रगुप्त की प्रयाग प्रशस्ति।
Unit-3	Importance of Coins in the reconstruction of History, Origin and antiquity of Coins, Punch marked Coins
इकाई – 3	इतिहास की पुनर्रचना में मुद्रा का महत्व, मुद्रा का उद्भव तथा प्राचीनता, आहत सिक्के
Unit-4	Coins of Takshashila, Kaushambi, Eran and Ujjayini, Kushana Coins.
इकाई – 4	तक्षशिला, कौशाम्बी, एरण तथा उज्जयिनी के सिक्के, कुषाण सिक्के
Unit-5	Coins of the Gupta rulers
इकाई – 5	गुप्त शासकों के सिक्के
Note नोट	

Suggested Readings :

1. राजबली पाण्डेय : अशोक के अभिलेख
2. जी एच ओझा : भारतीय प्राचीन लिपि माला
3. के डी बाजपेयी, एस के बाजपेयी, के एल अग्रवाल : ऐतिहासिक भारतीय अभिलेख
4. वासुदेव उपाध्याय : प्राचीन भारतीय अभिलेखों का अध्ययन
5. शिव स्वरूप सहाय : भारतीय पुरा लेखों का अध्ययन
6. एस के बाजपेयी : अभिलेख शास्त्र एवं मुद्राशास्त्र के मूल तत्व
7. पीएल गुप्त : प्राचीन भारत के प्रमुख अभिलेख
8. श्रीराम गोयल : प्राचीन भारतीय अभिलेख संग्रह
9. श्रीराम गोयल : गुप्तकालीन अभिलेख
10. D.C. Sirkar : Indian Epigarphy
11. J. Buhler : Indian Palaeography
12. R.G. Basak : Ashokan Inscription
13. B. M. Barua : Inscription of Ashoka
14. D.C. Sirkar : Select Inscriptions braring on Indian History and Civilization Vol I & II
15. H.V Trivedi : Inscription of Parmars, Chandellas, Kakchapaghatas & others minor dynasties.
16. Susmita Pande (ed) : Epigraphy Palaeography and Numismatics (Study Material for MP BOU)

30/6/15

30/06/15

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Under Graduate Semester wise Syllabus
as recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये सेमेस्टर अनुसार पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म. प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
W.E.F.-2016-17

Class / कक्षा	: B.A. Third Year बी.ए. तृतीय वर्ष
Semester / सेमेस्टर	: Sixth/षष्ट
Subject / विषय	: Ancient Indian History Culture & Archaeology प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व
Title of Paper	: Elements of Indian Archaeology
प्रश्नपत्र का शीर्षक	: भारतीय पुरातत्त्व के मूल तत्त्व
Paper No. / प्रश्नपत्र क्रमांक	: VI-A / प्रश्नपत्र षष्ट अ
Max. Marks अधिकतम अंक	: 85

Particulars / विवरण

Unit-1	Definition of Archaeology, its scope and relation with other subjects.
इकाई – 1	पुरातत्त्व विज्ञान की परिभाषा, उसका विस्तार क्षेत्र तथा अन्य विषयों से सम्बन्ध
Unit-2	History of Archaeology, explorations of Ancient sites, Dating.
इकाई – 2	भारत में पुरातत्त्व का इतिहास, पुरास्थलों का अन्वेषण, तिथि निर्धारण
Unit-3	Vertical excavation, Horizontal excavation, Excavation of burial, recording.
इकाई – 3	उर्ध्व उत्खनन, क्षैतीज उत्खनन, शवाधानों का उत्खनन, लेखाजोखा
Unit-4	Importance of Pottery, Pottery of Indus Civilization, Chalcolithic Pottery, Ochre Coloured Pottery, Painted Grayware, Northern Black Polished ware
इकाई – 4	मृदभाण्डों का महत्व, सैंधव संस्कृति के मृदभाण्ड, ताम्रपाषाणिक मृदभाण्ड, गैरिक मृदभाण्ड, चित्रितधूसर मृदभाण्ड, उत्तरीकृष्ण मार्जित मृदभाण्ड
Unit-5	Study of Ancient sites–Burzahom, Brahmagiri, Kalibanga, Kayatha, Hastinapur, Tripuri, Kaushambi.
इकाई – 5	पुरास्थलों का अध्ययन–बुर्जहोम, ब्रह्मगिरि, कालीबंगा, कायथा, हस्तिनापुर, त्रिपुरी, कौशाम्बी।
Note नोट	

Suggested Readings :

1. मदन मोहन सिंह : पुरातत्व की रूपरेखा
2. बैजनाथ पुरी : पुरातत्व की रूपरेखा
3 जय नारायण पाण्डेय : पुरातत्व विमर्श
4. D.P. Agrawal M.D. Yadav : Dating the Human Past
5. S.J.D. Late : Archaeology in the field
6. Susmita Pande (ed) : Archaeological Methods & Techniques (Study Material for MP BOU)
7. Susmita Pande (ed) : Pre & Proto History of India (Study Material for MP BOU)
8 Gordon Childe : Piercing together the Past.

30/6/15
30/06/15

OR/ अथवा

Department of Higher Education, Govt. of M.P.
Under Graduate Semester wise Syllabus
as recommended by Central Board of Studies and approved by the Governor of M.P.
उच्च शिक्षा विभाग, म.प्र. शासन
स्नातक कक्षाओं के लिये सेमेस्टर अनुसार पाठ्यक्रम
केंद्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म. प्र. के राज्यपाल द्वारा अनुमोदित
w.e.f. - 2016-17

Class / कक्षा	: B.A. Third Year/ बी.ए. तृतीय वर्ष
Semester / सेमेस्टर	: Six/ छठा
Subject / विषय	: Ancient Indian History Culture & Archaeology प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व
Title of Paper	: VI-B Ancient Indian Religion and Philosophy
प्रश्नपत्र का शीर्षक	: प्राचीन भारतीय धर्म और दर्शन
Paper No. / प्रश्नपत्र कमांक	: Paper-6/ प्रश्नपत्र छठवा
Max. Marks अधिकतम अंक	: 85

Particulars / विवरण

Unit-1	Vedic Religion, Origin and Development of Buddhism and Jainism
इकाई – 1	वैदिक धर्म, बौद्ध एवं जैन धर्म का उद्भव एवं विकास
Unit-2	Origin and Development of Shaivism and Vaishnavism
इकाई – 2	शैव धर्म तथा वैष्णवधर्म का उद्भव एवं विकास
Unit-3	Origin and Development of Shaktism, Bhakti Movement of South India–Alvars and Nayanars.
इकाई – 3	शाक्त धर्म का उद्भव और विकास, दक्षिण भारत में भक्ति आन्दोलन–आलवार तथा नायनार
Unit-4	Salient features of Indian Philosophy, Upanishadic Philosophy and Gita, Materialistic Philosophy–Charvak
इकाई – 4	भारतीय दर्शन के प्रमुख लक्षण, उपनिषदीय दर्शन एवं गीता, भौतिकवादी दर्शन–चार्वाक
Unit-5	Sankhya Philosophy, Yoga Philosophy, Nyaya Philosophy, Vaisheshik Philosophy, Outline of Purva Mimansa Philosophy, Uttara Mimansa Philosophy–Shankar and Ramanuja.
इकाई – 5	सांख्य दर्शन, योगदर्शन, न्याय दर्शन, वैशेषिक दर्शन, पूर्व मीमांसा दर्शन की रूपरेखा, उत्तर मीमांसा–शंकर एवं रामानुज
Note नोट	

Suggested Readings :

1- सुस्मिता पाण्डे – समाज आर्थिक व्यवस्था एव धर्म
2 बल्देव उपाध्याय – भारतीय दर्शन
3 बल्देव उपाध्याय – भारतीय दर्शन की रूपरेखा
4– एस राधाकृष्नन – भारतीय दर्शन
5. एम. हिरयन्ना – भारतीय दर्शन की रूपरेखा
6. G.C. Pande - Foundation of Indian Culture, Vol.I Spiritual Vision and Symbolic form in Ancient India

30/6/15

30/06/15

विक्रम विश्वविद्यालय,उज्जैन

.......संगीत.......अध्ययन मण्डल

.... के विषय के अध्ययन मण्डल की दिनांक ....29.6.2015.... को माधव भवन, विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में आयोजित बैठक का कार्यविवरण।

—:: उपस्थिति ::—

1. डॉ. उदय पराडकर - वाद्यविशेषज्ञ (हस्ताक्षर) 2. डॉ. मीना मोघे (हस्ताक्षर)
3. डॉ. संध्या महाजन (हस्ताक्षर) 29.6.15 4. डॉ. इब्राहिम अली (हस्ताक्षर)
5. डॉ. वर्षा अग्रवाल (हस्ताक्षर) 6.
7. 8.

—:: कार्य विवरण ::—

आज दिनांक 29.6.2015 को संगीत अध्ययन मंडल की बैठक में उपरोक्त उपस्थित सदस्यों की सहमति से निम्न निर्णय लिये गये:

1 स्नातक संगीत III, IV, V एवं VI सेमेस्टर (कंठ, वाद्य (एवं नृत्य)) के पाठ्यक्रम को 2015-16 यथावत रखने की अनुशंसा की गई। उक्त पाठ्यक्रम की प्रति एवम परीक्षा योजना की प्रति प्रदान की गई।

2. स्नातक, (एवं स्नातकोत्तर) स्तर पर विक्रम विश्वविद्यालय से संबद्धता प्राप्त महाविद्यालय में शा. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय देवासगेट में स्नातक एवम स्नातकोत्तर स्तर पर वाद्यसंगीत (सितार) में नियमित अध्यापन कराया जाता है वाद्यसंगीत विषय के स्वाध्यायी परीक्षार्थियों को केवल सितार विषय में परीक्षा देने की अनुमति प्रदान करने की अनुशंसा की जाती है।

3. संगीत विषय में रुचि रखनेवाली स्नातक उत्तीर्ण अन्य संकाय की छात्राओं को स्नातकोत्तर संगीत (कंठ एवम वाद्य) में अध्ययन सुविधा उपलब्ध कराने की दृष्टि से एक वर्षीय स्नातक संगीत ब्रिज कोर्स प्रारंभ करने की अनुशंसा की जाती है। ब्रिज कोर्स प्रारंभ होने से संगीत विषय में छात्रसंख्या की वृद्धी की जा सकती है तथा यह प्रयास महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के हित में होगा। साथ ही छात्र/छात्राओं को भी संगीत विषय के अध्ययन का सुअवसर प्राप्त होगा।

D:/Pm.5/VVVV/150

Choice Base credit system प्रारंभ करने की अनुशंसा की जाती है।